

अमेरिका और जर्मनी 64 टैंक भेजेंगे यूक्रेन के लिए

अमेरिका इसी सप्ताह 50 अब्राम टैंक व जर्मनी 14 लैंड-2 टैंक देने की तैयारी कर रहे हैं

वाशिंगटन, 25 जनवरी (वार्ता)। अमेरिका यूक्रेन को 50 एम1 अब्राम टैंक भेजने की योजना बना रहा है और वह बुधवार को इस संबंध में घोषणा कर सकता है। वहीं जर्मनी ने भी अपनी चुप्पी तोड़ते हुये 14 लैंड-2 टैंक भेजने की घोषणा कर दी है। तुर्की की समाचार एजेंसी के मंगलवार को बताया कि अमेरिका युद्धग्रस्त देश यूक्रेन को मदद के रूप में इस सप्ताह अमेरिका एम1 अब्राम टैंकों को भेजने के फैसले की घोषणा कर सकता है। घोषणा कथित तौर पर जर्मनी के साथ एक व्यापक सौदे का हिस्सा होगी, जो यूक्रेन को अपने लेपर्ड 2 टैंकों की एक छोटी संख्या की आपूर्ति करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग 'पेंटागन' के प्रेस सचिव पैट राइडर ने बताया कि यूक्रेन ने रूस का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों से कम से कम तीन सौ टैंक भेजने का अनुरोध किया है। अब्राम टैंक जटिल वाहन हैं जिन्हें उचित

रखरखाव की आवश्यकता होती है।

राइडर ने हालांकि इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि अब्राम टैंकों को चलाने के लिए क्या अमेरिका उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करेगा। गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान शुरू कर दिया था, जिसके बाद से पश्चिमी देशों ने यूक्रेन के लिए अपना सैन्य समर्थन बढ़ा दिया है। मास्को ने नाटो सदस्य देशों को अप्रैल में एक नोट भेजा, जिसमें कीव को उनकी सैन्य सहायता को निंदा की गई थी। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी कि यूक्रेन क्षेत्र में हथियारों को कोई भी खप रूसी सेना के लिए 'वैध लक्ष्य' होगी। जर्मनी ने बड़ी घोषणा की है। जर्मनी ने अपनी पिछली स्थिति से यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यूक्रेन में अपने 14 टैंक भेजने और दूसरों को ऐसा करने की अनुमति देने के लिए वह तैयार है।

'बदहाल पाकिस्तान की जनता की गुहार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भी थोड़ा बढ़ी है, लेकिन उसकी यह आर्थिक वृद्धि कुछ ऐसी है जिसका कुछ हताश देशभक्त और वॉलेंटेयर्स पर बिना सोचे-समझे भेजे जाने वाले लोग ही उत्सव मना रहे हैं। पाकिस्तान की जी.डी.पी. करीब 350 बिलियन डॉलर है। आकार के हिसाब से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था के दसवें हिस्से के बराबर है। आर्थिक समानता का यदि पहले कभी कोई भ्रम था तो वह दूर होना शुरू हो गया है। भारत के आर्थिक विकास की कहानी अभी शुरू ही हुई है पिछले दो दशकों को भारत की आर्थिक प्रगति पाकिस्तान का संचालन करने वाले चतुर लोगों को भयभीत करने में सफल रही है, ये लोग अब दिखाई नहीं दे रहे हैं।

मॉर्निंग स्टैन्डले की भविष्यवाणी है कि वर्ष 2030 तक या सात वर्ष से कम समय में भारत की जी.डी.पी. वर्तमान रूसी सेना के लिए 'वैध लक्ष्य' होगी। जर्मनी ने बड़ी घोषणा की है। जर्मनी ने अपनी पिछली स्थिति से यू-टर्न लेते हुए कहा है कि यूक्रेन में अपने 14 टैंक भेजने और दूसरों को ऐसा करने की अनुमति देने के लिए वह तैयार है।

नियतों में भारत का हिस्सा वर्तमान में 2.2 प्रतिशत है। मॉर्निंग स्टैन्डले को उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक वैश्विक नियतों में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। भारत के खुदरा बाजार के इन अगले सात वर्षों में दोगुने से अधिक होकर 1.8 ट्रिलियन हो जाने की उम्मीद है।

शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जी.डी.पी. के प्रति व्यक्ति आंकड़े के 2 हजार 278 डॉलर प्रति वर्ष से बढ़ कर 5 हजार 242 डॉलर प्रति वर्ष हो जाने की उम्मीद है। भारतीय परिवार की वर्तमान में वार्षिक आय 35 हजार डॉलर है, इसके 5.6 प्रतिशत से बढ़ कर 25 प्रतिशत से अधिक होने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि प्रत्येक चार भारतीय परिवारों में से एक परिवार ग्लोबल मिडिल क्लास होम बन जाएगा। इसमें रहने वाले अधिकांश लोग उच्च शिक्षित होंगे जो उस परिवार के लिए धनार्जन करेंगे। उनमें से अधिकांश विलासिता की वस्तुओं के उपभोक्ता होंगे। पृथ्वी पर इण्डियन सैलीब्रिटीज को सर्वाधिक भुगतान किया जाएगा क्योंकि भारत के अपर मिडिल क्लास ही दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता होंगे। भारत गरीबों के देश

से एक ऐसा देश बनने जा रहा है कि वर्ष 2030 में पूरी अर्थव्यवस्था के समानांतर यहां पर बहुत से अमीर लोग होंगे। "भारतीय होने" को पवन वर्मा जैसे लेखकों ने एक बार परिभाषित किया था कि यह "अस्तित्व संबंधी विरोधाभास" से परिपूर्ण है।

अगले साल वर्षों या उसके बाद भारत की अर्थव्यवस्था इस खाई को पाट देगी। अधिक आय, अधिक सम्पत्ता और अधिक उपभोग "भारतीय होने" की उक्त धारणा में टोस परिवर्तन जाएगा।

'सुप्रीम कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) संबंधित हो। चिदम्बरम ने ट्वीट किया, "विधि मंत्री किरेन रिज्जू कोलीजियम पर हमला करते हुये यह क्यों कह रहे हैं कि उसने जज की नियुक्ति के लिये विचारार्थी नामों से संबंधित आई.बी. एवं रॉ की रिपोर्ट उजागर कर दी?" चिदम्बरम ने आगे कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि केन्द्र ने कोलीजियम द्वारा आगे बढ़ाये गये नामों को पूरी तरह "स्वैच्छाचरिता" के आधार पर खारिज कर दिया।

पुतिन की अमेरिका को धमकी

मास्को, 25 जनवरी। रूस और यूक्रेन के युद्ध को अब एक साल होने जा रहा है, इसके बाद भी यह लड़ाई धमके का नाम नहीं ले रही है।

हर दिन एक नई रणनीति के साथ यह युद्ध फिर शुरू हो जाता है। एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन और नाटो देश। रूस, यूक्रेन पर कब्जा करना चाहता है तो वहीं यूक्रेन जितने भी नाटो देश हैं उनके सहारे पुतिन की हर चाल को मात देने में जुटा है। नाटो देशों ने रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को सैन्य सहायता बढ़ा दी है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन समेत कई देशों ने यूक्रेन को आधुनिक हथियार देने का ऐलान किया है। इसमें अमेरिका का अब्राम टैंक, ब्रिटेन का चैलेंजर-2 टैंक और जर्मनी का लेपर्ड टैंक भी शामिल है।

■ पुतिन ने कहा, अमेरिका के सभी टैंक रूस तबाह कर देगा।

वहीं, रूस ने धमकी दी है कि वह नाटो के किसी भी हथियार की तरह इन देशों के टैंकों को आसानी से नष्ट कर देगा। इस बीच पश्चिमी सैन्य विशेषज्ञों ने कहा है कि यूक्रेन को मिल रहे इन घातक हथियारों का रूसी सेना पर घातक असर हो सकता है। रूसी सेना पूर्वी यूक्रेन में पहले से ही पीछे हट रही है। ऐसे में यूक्रेन की सेना अत्याधुनिक टैंकों, मिसाइलों, रॉकेटों, बख्तरबंद वाहनों की मदद से जबरदस्त जवाबी कार्रवाई कर सकती है। अमेरिका में रूसी राजदूत अनातोली एंटोनेव ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी की कार्रवाइयां संकट को और बढ़ा देंगी। इन देशों का यह फैसला यूक्रेन को रक्षात्मक हथियार मुहैया कराने से कहीं आगे निकल गया है।

'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया। बच्चू ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अर्थोर्टी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति लें। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे।

उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैकसीन लगवा चुका है।

चीन का बहिष्कार कर कड़ा संदेश देने की ज़रूरत : केजरीवाल

नयी दिल्ली, 25 जनवरी (वार्ता) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चीन का बहिष्कार करने का आ आ करते हुए कहा कि वह हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा है और हम उससे व्यापार बढ़ाते ही जा रहे हैं।

केजरीवाल ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को यहाँ छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने 74वें गणतंत्र दिवस की दिल्ली और देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हम एक तरफ 74वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और दूसरी तरफ आजादी के 75 साल का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। हमारे देश के स्वतंत्रता सेनानियों शहीद-ए-आजम भागत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु जैसे देरों नाम हैं जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को आजादी दिलाई थी। स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के बाद की पीढ़ियों के उपर इस आजादी और जनतंत्र को मजबूत व संचाल कर कायम रखने की जिम्मेदारी दी है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से चीन हमारी सीमाओं पर हमें आंखें दिखा रहा है। आज ही देश के एक

■ दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि, चीन लगातार हमें आंखें दिखा रहा है लेकिन हम उसके खिलाफ कुछ भी नहीं कर पा रहे हैं।

अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश की कुछ जमीन पर कब्जा कर लिया है। यह सभी भारतवासियों के लिए चिंता का विषय है। हमारे सैनिक चीन के सैनिकों से लड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। पूरी बहादुरी के साथ हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं। एक तरफ, हमारे सैनिक बॉर्डर पर चीन का मुकाबला कर रहे हैं तो दूसरी तरफ देश की सारी सरकारों और हर भारतवासी का भी फर्ज बनता है कि हम उनकी इस लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हमारा भी फर्ज बनता है कि चीन को कड़ा संदेश दिया जाए कि भारतीय यह बर्दाश्त नहीं करेगा। हम चीन का बहिष्कार करें और उसको सख्त संदेश दें। 2020 में हम लोगों ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान

खरीदा और 2021 में 95 बिलियन डॉलर का सामान खरीदा। हमने 50 फीसद व्यापार बढ़ा दिया। हम तो चीन को और अमीर बनाते जा रहे हैं। उनसे और सामान खरीदते जा रहे हैं, उनको और पैसा दे रहे हैं। चीन हमारे ही पैसे से और अधिक हथियार खरीद रहा है, सैनिकों को भर्ती कर रहा है और हमारे उपर आक्रमण कर रहा है। यह तो सही नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ पिछले पांच-छह सालों में 12 लाख व्यापारी व उद्योगपति अपना देश छोड़कर विदेश चले गए। वह अपनी व्यवस्था और एजेंसी से परेशान होकर के भारत छोड़कर विदेश चले गए। हमने अपने व्यापारियों व उद्योगपतियों को इतना दुखी कर रखा है कि वह बहुत तंग आ चुके हैं, उनका अपने देश में घंघा मुश्किल हो गया है और भारत छोड़-छोड़कर जा रहे हैं। पिछले 5 साल के अंदर 12 लाख लोग भारत छोड़कर चले गए। हम अपने लोगों को भगा रहे हैं और चीन से सारा सामान आयात कर रहे हैं, ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा? उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश को स्वतंत्र कराया

और जनतंत्र की स्थापना की। पिछले कुछ वर्षों से हम देख रहे हैं कि जनतंत्र के ऊपर भी थोड़ी-थोड़ी आंच आने लगी है। जनता और जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों के ऊपर कोई नहीं है। लेकिन पिछले कुछ सालों में हम देख रहे हैं कि एक राज्य ऐसा है, जहाँ जनता की चुनी हुई सरकार ने डेरों कानून पास किए, लेकिन वहाँ का गवर्नर कानून पर दस्तखत करने को तैयार नहीं है। जो कानून जनता ने पास किए, जो कानून जनता की चुनी हुई सरकार ने पास किए, क्या एक आदमी उन कानूनों को रोक सकता है। क्या एक आदमी को अधिकार होना चाहिए कि वो जनता की अभिलाषा, कामनाओं और कार्यों को रोक दे। यह तो जनतंत्र नहीं है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार पूरे देश में सबसे कम महंगाई दिल्ली के अंदर है। दिल्ली में महंगाई की दर 3 फीसदी है, जबकि गुजरात में 7 फीसदी, हरियाणा में 7.8 फीसदी है, जो दिल्ली से डेढ़ गुना ज्यादा है। मध्य प्रदेश में महंगाई की दर 7.5 फीसदी है।

पूरे देश में सबसे सस्ती चीजें और सबसे कम महंगाई दिल्ली में है, क्योंकि

आज यहाँ बिजली, पानी मुफ्त है। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल हैं और सरकारी स्कूलों में सारी शिक्षा मुफ्त है। दिल्ली में सारी स्वास्थ्य सेवाएँ मुफ्त हैं। सरकारी अस्पताल में सारा इलाज, टेस्ट, दवाइयाँ और ऑपरेशन सब कुछ मुफ्त है। महिलाओं के लिए बसों का सफर मुफ्त है। बुजुर्गों की तीर्थ यात्रा मुफ्त है। राशन मुफ्त है।

'कर्मचारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्मचारियों की समस्त लम्बित याचिकाओं का निस्तारण कर दिया। बच्चू ने शिक्षक को अनुमति दी कि वे सम्बंधित अर्थोर्टी से पढ़ाने व अन्य कार्यों की जिम्मेवारी निभाने की अनुमति लें। कोर्ट ने कहा कि इस सम्बंध में 30 दिन में फैसला हो जाना चाहिए। पूर्व में जैकब पुलियेल बनाम भारत सरकार एवं अन्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि व्यक्ति को अधिकार है कि वह अपने स्वास्थ्य के सम्बंध में कोई भी इलाज लेने से इन्कार कर दे। उसने 2021 में कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और अब वह वैकसीन लगवा चुका है।



भारतीय स्टेट बैंक
जयपुर मण्डल की ओर से
सभी प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस की हादिक शुभकामनाएं

एसबीआई बचत खाता खोलना वीडियो कॉल जितना आसान

YONO द्वारा वीडियो केवाईसी के साथ

प्रमुख लाभ:

- पेपरलेस प्रक्रिया
- बैंक शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं
- ओटीपी आधारित आधार प्रमाणीकरण
- वीडियो केवाईसी
- हस्ताक्षर डिजिटल रूप में कैचर



सहायता के लिए 1800 1234 पर कॉल करें या bank.sbi डिजिट करें हमें फॉलो करें

The new Grand i10 NIOS.

More to life.



Available in CNG and AMT options.

1st in segment	New	1st in segment	New	Best in segment	New	1st in segment
						
6 Airbags 4 Airbags standard (Driver, passenger & side)	Fabric seat upholstery with NIOS branding	Tyre pressure monitoring system (TPMS) - highline	LED tail lamps	20.25 cm (8") touchscreen display audio with smartphone navigation*	ESC, VSM & HAC	Wireless phone charger

RDE compliant & E20 fuel ready.

To know more, WhatsApp us on **84472228019**

my **Hyundai** app

Hyundai ClicktoBuy

3⁺ 100 000km Warranty Coverage*

3⁺ Road Side Assistance (RSA)*

7⁺ Extended Warranty*

5⁺ Shield of Trust* Running Repair Package*

5⁺ Shield of Trust Super Maintenance Package*

Lowest cost of maintenance*

HYUNDAI

JAIPUR				ALWAR/LAXMANGARH/RAMGARH				AJMER/KEKRI			
Hindustan Hyundai 8387888818, 8696531531	Roshan Hyundai 8696829222	Roshan Hyundai 8696894444	P.L. Hyundai 9950182500, 7357932666	Crossland Hyundai 8824006188	Crossland Hyundai 9509888000	Ardr Hyundai 7849905550, 7849905551	Arora Hyundai 7688919191, 8239100048	Ajmer Hyundai 8003597762, 7849828301	Ajmer Hyundai 8003597762, 7849828301	Ajmer Hyundai 8003597762, 7849828301	Ajmer Hyundai 8003597762, 7849828301
AJMER/BEAWAR/KISHANGARH			BHARATPUR/DHOLPUR			BHILWARA/GULABPURA			BHIWADI/NEEMRANA/BEHOR		
Shivam Hyundai 9116660022, 9116660044			Shri Shakun Hyundai 8094333000, 7413048000			Sandeep Hyundai 9414014431, 8875006894			JMV Hyundai 8875144444, 8696906954, 8696906934		
GANGANAGAR/HANUMANGARH/SURATGARH				JHUNJHUNU/CHIRAWA/SUJANGARH				JODHPUR/BARMER/JALORE/BHINMAL			
Paras Hyundai 9887526255, 9672988525, 9983261525				Marudhara Hyundai 8875753333, 8875752222, 9001062222				Deora Hyundai 9649291291, 9001094554, 9001094545			
PALI/SUMERPUR		RAJSAMAND		SIKAR/NEEM KA THANA		SAWAIMADHPUR/GANGAPUR/HINDAUN		TONK		UDAIPUR/DUNGARPUR/BANSWARA/SALUMBER	
Deora Hyundai 7340022211, 9001994557		Badola Hyundai 8696939305/32		Shri Ganga Hyundai 9587008191, 9587030055		Shree Kripa Hyundai 9587894715, 7230067022, 9672094819		Aditi Hyundai 7489880852		Rajya Hyundai 9782985551, 7230043333, 9782112525	
CHITTORGARH			CHURU/RATANGARH/SARDARSHAHAR/RAJGARH			JODHPUR			JODHPUR		
Chitror Hyundai 9414034451, 6377210467			Shri Ganga Hyundai 8094010030, 9929758922, 8094010666			Deora Hyundai 9001094539			JRD Hyundai 9610062225		
DAUSA			NAGOUR			RAMJI Hyundai			UDAIPUR/SIROHI		
Arun Hyundai 7742141419			Shri Krishna Hyundai 9983518111, 8003492511			RAMJI Hyundai 9001892222/9116677842			Badola Hyundai 8279092009, 8279092003		

*Terms & Conditions apply. Features & specifications shown may not be part of standard fitment & are subject to change without prior notice. Segment is defined by comparable high compact segment hatchbacks whose length lies between 3700-3845 mm, width between 1680-1735 mm & petrol engine capacity 1197 cc. **Warranty upto 3 Years or 100 000 km whichever occurs earlier. *Upto 7 years extended warranty is applicable only for petrol variants. *The new Grand i10 NIOS (Petrol) has lowest average yearly periodic maintenance service cost in its segment of ₹ 754 for 5 years in Delhi, Source: Cardekho.com. Hyundai Motor India reserves the right to change specifications, colour, equipment and schemes at any time without prior notice. Technical specifications have been rounded-off to the nearest value. Deployment of Airbags depends upon number of factors explained in detail in Owners Manual, available on Hyundai website. Visit your nearest Hyundai dealership for more details. Hyundai urges you to follow traffic rules - these are meant to keep you safe on roads.